(I) बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. महाभारत के आदिपर्व के किस अध्याय में भीष्म द्वारा 8 प्रकार के विवाहों का वर्णन किया गया है?
(अ) प्रथम (ब) 52वें (स) 102वें (द) 100वें

2. अम्बा, अम्बालिका किसकी पत्नियाँ थीं?
(अ) चित्रांगद (ब) विचित्रवीर्य (स) पाण्डु (द) दुर्योधन

3. महर्षि व्यास द्वारा उत्पन्न संतान थी—
(अ) पाण्डु (ब) धृतराष्ट्र (स) विदुर (द) ये सभी

4. घटोत्कच किसका पुत्र था?
(अ) युधिष्ठिर (ब) अर्जुन (स) दुर्योधन (द) भीम

5. भीम ने हिडिम्बा के साथ कौन-सा विवाह सम्पन्न किया था?
(अ) आर्ष (ब) गन्धर्व (स) राक्षस (द) देव

6. द्रोपदी किसकी पत्नी थी?
(अ) अर्जुन (ब) नकुल (स) सहदेव (द) इन सभी की

7. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषुकदाचन' श्रीमद्भगवद्गीता के किस अध्याय में वर्णित है?
(अ) प्रथम (ब) द्वितीय (स) तृतीय (द) चतुर्थ

8. श्रीमद्भगवद्गीता के महत्व पर किसने विचार व्यक्त किये हैं?
(अ) महात्मा गाँधी (ब) विवेकानन्द
(स) बालगंगाधर तिलक (द) इन सभी ने

9. महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र के मैदान में कितने दिन चला? (*B.S.E.B.*, 2011, 17, 18; *JAC.*, 2015)
(अ) 10 दिन (ब) 12 दिन (स) 18 दिन (द) 20 दिन

10. गंगापुत्र किसे कहा जाता था? (*B.S.E.B.*, 2018)
(अ) अर्जुन (ब) विदुर (स) भीष्म (द) पाण्डु

11. ब्राह्मणवंशीय सातवाहन नरेश वशिष्ठ पुत्र शातकर्णी ने विवाह सम्बन्ध किस वंश के साथ जोड़े?
(अ) शक (ब) पहलव (स) कुषाण (द) हूण

12. महाभारत के किस पर्व में वर्ण व्यवस्था का उल्लेख मिलता है?
(अ) आदिपर्व (ब) भीष्मपर्व (स) शान्तिपर्व (द) इनमें से सभी में

13. ऋग्वेद के पुरुष सूक्त में सर्वप्रथम किस वर्ण का उल्लेख मिलता है?
(अ) ब्राह्मण (ब) क्षत्रिय (स) वैश्य (द) शूद्र

14. चण्डाल अस्पृश्य माने जाते थे, जब भी वे नगर में आते थे तो उन्हें लकड़ी की आवाज करके आना पड़ता था। ताकि लोग उन्हें देखने के दोष से बच सकें। यह कथन किसका है?
(अ) फाह्यान (ब) मैगस्थनीज (स) कौटिल्य (द) ह्वेनसांग

15. दुर्योधन की माँ कौन थी?
(अ) गान्धारी (ब) कुन्ती (स) माद्री (द) सत्यवती

16. निम्न में से किस प्रसिद्ध सन्त ने गीता की भक्ति टीका मराठी में लिखी?
(अ) एकनाथ (ब) नामदेव (स) तुकाराम (द) मानेश्वर

17. महाभारत की रचना किस भाषा में हुई?
(अ) संस्कृत (ब) पाली (स) प्राकृत (द) हिन्दी

Scanned with CamScanner

Date ______
Page ______

① 'कुल' और 'जाति' का अंतर स्पष्ट करें?

Ans:- प्राचीन भारत में सामाजिक संगठन का आधार परिवार था। परिवार बड़े (संयुक्त) होते थे। जिनमें अनेक सदस्य होते थे। वे एक साथ खाते पीते और रहते थे तथा धार्मिक अनुष्ठान करते थे। कई पीढ़ियों के लोग, बंधु-बांधव एक साथ ही रहते थे। ऋग्वैदिक काल में कबिलाई व्यवस्था के अनुसार परिवार रक्त संबंधों और कुटुम्ब के आधार पर गठित थे। जन (कबीला) में अनेक विश (कुल) होते। कुल शब्द परिवार का द्योतक है। ये कुल एक बड़े समूह के भाग होते थे। ये बड़ा समूह संबंधियों का समूह था। इसे जाति कहा जाता था। परिवार और जाति में अटूट संबंध था जो रक्त संबंधों पर आधृत था।

② महाभारत में वर्णित विवाह के प्रकार बताइये?

Ans:- महाभारत में आठ प्रकार के विवाहों का उल्लेख किया गया है यह है -

① ब्रह्म विवाह	② देव विवाह
③ आर्ष विवाह	④ प्रजापत्य विवाह
⑤ असुर विवाह	⑥ गान्धर्व विवाह
⑦ राक्षस विवाह	⑧ पिशाच विवाह

Scanned with CamScanner

① ब्रह्म विवाह → यह सर्वोत्तम प्रकार का विवाह था। गुणवान व्यक्ति के साथ पूजा कर वस्त्राभूषणों से सुसज्जित कन्या का विवाह ब्रह्म विवाह कहलाता है। आज भी यही प्रथा प्रचलित है।

② दैव विवाह → विधिवत यज्ञ का अनुष्ठान करने वाले पुरोहित के साथ कन्या का विवाह दैव विवाह कहलाता था।

③ आर्ष विवाह → वर से एक जोड़ी गाय और बैल प्राप्त कर पिता अपनी पुत्री का विवाह उससे करता था।

④ प्रजापत्य विवाह → पिता वर से यह प्रतिज्ञा लेता था कि वह व उसकी पुत्री मिल जुलकर सामाजिक-धार्मिक कर्तव्यों का निर्वाह करेंगे तब अपनी पुत्री का विवाह करता था।

⑤ असुर विवाह → वर से यथाशक्ति धन लेकर माता-पिता अपनी कन्या का उससे विवाह करते थे। यह असुर विवाह था।

⑥ गन्धर्व विवाह → जब वर व कन्या एक दूसरे के गुणों पर आकर्षित होकर विवाह करते हैं, वह गन्धर्व विवाह था।

⑦ राक्षस विवाह → बलपूर्वक कन्या का ~~विवाह~~ अपहरण कर ले जाना अपहरण या राक्षस विवाह कहलाता है।

⑧ पिशाच विवाह → सोती हुई, अचेत, पागल अथवा मदमस्त कन्या के साथ बलपूर्वक सम्भोग कर उसे विवाह हेतु मजबूर करना पिशाच विवाह कहलाता था।

Scanned with CamScanner

③ भारत में प्रचलित विवाह की विशेषताओं का विवेचन करें?

उत्तर विवाह की विशेषताएँ :-

विवाह सामान्यतः एकात्मक होते थे यद्यपि बहुविवाह के प्रचलन का भी उल्लेख मिलता है। बालविवाह का आरंभ में प्रचलन नहीं था, परन्तु धीरे धीरे अनेक राजनीतिक, सामाजिक एवं अधिक कारणों से बालविवाह का प्रचलन बढ़ा। विवाह में गोत्र का ध्यान रखना आवश्यक था। इसके अनुसार विभिन्न समूहों एवं समुदायों की उत्पत्ति किसी वैदिक ऋषि से मानी गई एवं उनके नाम पर गोत्र का निर्धारण किया गया। एक ही गोत्र में विवाह करना प्रतिबंधित था। गोत्र के समान विवाह में प्रवर का भी ध्यान रखा जाता था। परिवार के आदि पुरोहित, प्रवर ऋषि होते थे, समान परिवार के प्रवरों में भी विवाह संबंध वर्जित था। विवाह को एक पुनीत कार्य माना जाता था, यह एक प्रमुख संस्कार में से एक माना जाता था।

④ स्त्रीधन से आप क्या समझते हैं? क्या इस पर स्त्रियों का पूर्ण स्वामित्व था?

उत्तर. विवाह के समय स्त्री जो धन अपने साथ ससुराल लेकर आती है उसे स्त्रीधन कहा जाता है। वह पति की अनुमति से उसका उपयोग कर सकती थी, परन्तु वह उसे बेच नहीं सकती थी। मनु के अनुसार कन्या

को विवाह के समय उसके पितृ परिवार, पति, उसके पिता और पति के संबंधी जो देते हैं या विवाह के बाद भी भेंट करते हैं वह स्त्रीधन है। आरंभ में स्त्रीधन सिर्फ चलसंपत्ति (वस्त्र, आभूषण, इत्यादि) था। परन्तु बाद में इसमें अचल संपत्ति (भूमि) भी सम्मिलित की गई। स्त्रीधन पर पत्नी का सीमित अधिकार था। वह इसे पति की सहमति से ही खर्च कर सकती थी अतः स्त्रीधन पर भी स्त्रियों का पूर्ण अधिकार नहीं था।

Scanned with CamScanner